

प्रेषक,

संख्या / 313 / XXIV-3 / 2006 / 2175 / 10E

एस0 के0 माहेश्वरी,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तरांचल, देहरादून ।

शिक्षा अनुभाग-3 देहरादून दिनांक 27 जुलाई, 2006

विषय: उत्तरांचल शिक्षा एवं परीक्षा परिषद्, रामनगर, नैनीताल के
 आवासीय भवनों के निर्माण हेतु धनराशि की स्वीकृति ।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या नियोजन-4/14544/मा0शि0प0/ 2006-07 दिनांक 28-6-2006 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय उत्तरांचल शिक्षा एवं परीक्षा परिषद्, रामनगर, नैनीताल के आवासीय भवनों के निर्माण हेतु उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लि0, इंजी0 कालेज इकाई-पौड़ी गढ़वाल द्वारा गठित आगणन रू0 189.87 लाख के सापेक्ष टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित लागत रू0 146.70 लाख पर प्रशासकीय एवं वित्तीय अनुमोदन प्रदान करते हुए अनुमोदित लागत के सापेक्ष रू0 39.90 लाख (रुपये उन्तालीस लाख नब्बे हजार मात्र) की धनराशि को, शासनादेश संख्या: 233/ XXIV-3 / 2006 दिनांक 27-4-2006 द्वारा प्रश्रुत योजना में आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि रू0 50.00 लाख में से, व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शिड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गयी हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदुपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।
- 2- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य प्रारम्भ न किया जाये।
- 3- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- 4- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टैकअप किया जाये।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-449 दिनोंक 18-7-2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
भवदीय,

(एस0 के0 भावेश्वरी)
अपर सचिव

संख्या: 313 (1)/XXIV-3/2006 तददिनोंक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा0 शिक्षा मंत्री जी।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन।
- 5- आयुक्त कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
- 6- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, कुमायूँ मण्डल, नैनीताल।
- 7- यजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय।
- 8- जिलाधिकारी, नैनीताल।
- 9- कोषाधिकारी, रामनगर/नैनीताल।
- 10- सचिव, उत्तरांचल शिक्षा एवं परीक्षा परिषद्, रामनगर, नैनीताल।
- 11- वित्त विभाग /नियोजन प्रकोष्ठ।
- 12- कम्प्यूटर सेल(वित्त विभाग)
- 13- एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, उत्तरांचल, देहरादून।
- 14- संबंधित निर्माण एजेन्सी।
- 15 - गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(राजेन्द्र सिंह)
उप सचिव

- 5- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
- 6- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भलीभाँति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भूगर्ववेत्ता के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाए।
- 7- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाय, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
- 8- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जानी वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाये।
- 9- जी०पी०डब्लू० फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
- 10- किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगणन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाये तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दें।
- 11- मुख्य सचिव, उत्तरांचल के शासनादेश संख्या: 2047/XIV-219/(2006)दिनांक 30 मई, 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य कराते समय अथवा आगणन गठित करते समय कड़ाई से पालन कराने का कष्ट करें।

2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन तथा महालेखाकार को उपलब्ध करा दिया जाय। स्वीकृति की प्रत्याशा में अनानुमोदित व्यय कदापि न किया जाय।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक- 4202- शिक्षा खेलकूद तथा संस्कृति पर पूँजीगत परिव्यय- 01-सामान्य शिक्षा -202-माध्यमिक शिक्षा- आयोजनागत- 00- 13-राजनगर, नैनीताल में माध्यमिक शिक्षा परिषद में क्षेत्रीय कार्यालय के भवन का निर्माण -24 वृहद निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा।